ग्रामीण उत्थान एवं सर्वांगिण विकास के लिए सामाजिक कुरीतियों को मिटायें- भटोल

ग्रामीण विकास महासम्मेलन का शुभारम्भ, देशभर से आये दो हजार सम्मेलानार्थी

आबू रोड, 3 सितम्बर, निसं। भारत की आत्मा आज भी गाँवों में बसती है। परन्तु आज भी गॉवों की स्थिति पूर्णरूप से अच्छी नहीं है। कई ऐसी सामाजिक बुराईयां और कुरीतियां है जो गाँवो का सर्वांगिण विकास में बाधक बनती है। यदि गाँवों का सर्वांगिण विकास करना है तो सामाजिक कुरीतियों को मिटाने का प्रयास करना होगा। उक्त उदगार मध्य प्रदेश राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण बैंक के चेयरमैन किशन सिंह भटोल ने व्यक्त किये। वे शांतिवन में सम्पूर्ण ग्राम विकास विषय पर आयोजित ग्रामीण विकास सम्मेलन में देशभर से आये सम्मेलानार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि आज सरकार की नीतियां तो है। परन्तु लोगों की नियति ठीक न होने के कारण सुविधाओं का उपयोग नही हो पा रहा है। सरकार किसानों के लिए तरह-तरह की सुविधायें मुहैय्या करा रही है परन्तु जागृति न होने के कारण इस लाभ से वंचित हो जाते हैं। आध्यात्मिक विकास का अभाव होने के कारण वे रूढ़िवादी सोच से उपर नहीं उठ पाते है। अब समय की मांग है कि वैश्विक सोच को बढ़ावा देते हुए सर्वांगिण विकास करें। उन्होंने शाश्वत यौगिक खेती करने पर बल दिया।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी भारत के गाँवों का इतिहास पूरे विश्व में अनुकरणीय रहा है। गोकुल गाँव और स्वर्ग की उपाधि से नवाजा जाता रहा है। आज भी देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार ग्रामीण अंचलों के बिना सहयोग के आगे बढ़ा पाना असम्भव है। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि अब जरूरत है कि हम गाँमीण स्तर पर फैले अंधविश्वास, आपसी झगड़े को मिटाकर एक गोकुल गाँव बनाने में हिस्सेदार बने। उन्होंने ग्रामीण स्तर से बुराईयों को भी मिटाने का आह्वान किया।

बांदा, उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबीनेट मंत्री तथा सांसद आर के पाटिल ने कहा कि गाँवों का स्तर जब तक ऊंचा नहीं होगा तब तक मनुष्य का सर्वांगिण विकास नहीं हो सकता। ब्रह्माकुमारीज संस्था का ग्रामीण विकास प्रभाग जिस तरह से ग्रामीण स्तर पर लोगों को नशामुक्ति, स्वच्छता, साक्षरता के लिए प्रेरित करती है वह सराहनीय है। इस तरह के कार्यों में हर एक को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी सरकार हो परन्तु जब तक प्रत्येक ग्रामीणों में जागृति नहीं आयेगी तब उनका क्रियान्वयन करा पाना कठिन है। इसलिए इस तरह के सम्मेलन से निश्चित तौर पर लोगों में बदलाव आ सकता है। संस्था के जनसम्पर्क एवं सूचना निदेशक ब्र0 कु0 करूणा ने शुभकामनायें देते हुए कहा कि मुझे यह पूर्ण विश्वास है कि इस सम्मेलन के जरिये गाँवा के लोगों में सकारात्मक बदलाव की बयार बहेगी।

ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी ने कहा कि ग्राम विकास प्रभाग का सदा यही लक्ष्य रहा है कि गाँव के लोगों का सर्वांगिण विकास हो, एक बेहतर गाँव की परिकल्पना साकार हो सके। उन्होंने प्रभाग द्वारा शाश्वत योगिक खेती के बारे में बताते हुए कहा कि इस प्रयोग से सिद्ध हो चुका है कि यदि मनुष्य की स्थिति मजबूत रहे तो फसलों को भी रासायनिक खादों के बिना भी उत्तम फसलें प्राप्त करते हैं। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र0 कु0 सरला ने कहा कि ग्राम विकास प्रभाग ने कई गाँवो ं को एडाप्ट कर एक नया इतिहास रचा है। कई ऐसे गाँव है जो उदाहरणमूर्त्त बन चुके हैं।

ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र0 कु0 राजू ने सभी का स्वागत किया। वल्लभ विद्यानगर से आयी ब्र0 कु0 जागृति तथा ग्राम विकास प्रभाग के कार्यकारी सदस्य ब्र0 कु0 वीनू ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र0 कु0 गीता ने किया।

इस ग्राम विकास महासम्मेलन में पूरे देशभर से आये दो हजार ग्राम विकास अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, वीडियो तथा कृषि मंत्रालय के अधिकारी तथा कर्मचारी भाग ले रहे हैं। यह महासम्मेलन तीन दिन चलेगा जिसमें ग्राम विकास के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जायेगी।

फोटो, 1, 2, 3, 4 महासम्मेलन का दीप जलाकर कार्यक्रम का उदघाटन करते अतिथि, सभा में उपस्थित सम्मेलानार्थी तथा अन्य।